नोट- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Describe Naturopathy. What Precautions should be taken during Naturopathy.

   प्राकृतिक चिकित्सा के अर्थ को समझाइये। प्राकृतिक चिकित्सा के समय क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

2. What do you understand by Prana Chiktsa? Describe in detail the basic techniques of Pranic Healing.

   प्राण चिकित्सा से आप क्या समझते हैं प्राण चिकित्सा की मुख्य विधियों की विस्तार से चर्चा कीजिए।

3. Give details about the methods of massage and describe its effects on various body system.

   मालिश की विधियों को स्पष्ट करते हुए विभिन्न संस्थानों पर इसके प्रभाव को बताइये।

4. Explain in detail the therapeutic importance of fasting.

   उपवास के चिकित्सीय महत्व को विस्तारपूर्वक समझाइये।





5. Write the method of water therapy in detail

   जल चिकित्सा की विधियों को विस्तार से लिखिए।

## Section - B / खण्ड 'ख'

## (Short-Answer-Type Questions)

## लघु उत्तरों वाले प्रश्न

Note - Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Seven (07) marks each. Learners are required to answer any Five (05) questions only.

$(5 \times 7 = 35)$

नोट- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What are the Principles of Pranic Healing.

   प्राण चिकित्सा के सिद्धांत क्या हैं?

2. Precautions and benifits of Steam Bath.

   भाप स्नान की लाभ व सावधानियाँ

3. Write the concept of Adhyatmik Disease.

   आध्यात्मिक रोग की अवधारणा।

4. Write down the therapeutic property of massage.

अभ्यंग के चिकित्सीय गुण लिखिए।

5. Write down the principles of fasting therapy.

उपवास चिकित्सा के सिद्धान्त की चर्चा कीजिए।

6. Explain the development of Naturapthy in modern time.

आधुनिक समय में प्राकृतिक चिकित्सा का विकास क्रम लिखिए।

7. Explain contribution of Mahatma Gandhi in Naturopathy.

प्राकृतिक चिकित्सा में महात्मा गाँधी के योगदान पर प्रकाश डालिए।

8. "Germs are not root cause of disease". Des cribe in short.

"रोग के मूल कारण कीटाणु नहीं होते हैं" सिद्धान्त को समझाइये।





# MY-09/MY-203

## Naturopathy/ प्राकृतिक चिकित्सा

## M.Sc./M.A. Yoga

## (MSY-11/MAY-11/12/13/16/17)

## Second Year, Examination - 2019

**Time : 3 Hours** **Max. Marks : 80**

---

Note - This Paper is of Eighty (80) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the Questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट– यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशानुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### (Section A) खण्ड 'क'

### (Long-Answer-Type Questions)

### दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न

Note - Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Fifteen (15) marks each. Learners are required to answer any Three (03) questions only.

$(3 \times 15 = 45)$